

# मुखिया की डायरी



## इक्विटी फाउंडेशन

आप पंचायत प्रतिनिधि हैं  
तो महिलाओं के लिए क्या करेंगे, जब...



- घर के अंदर उन पर मारपीट या जुल्म हो रहा हो?
- बेटी या बहु को ससुराल वालों ने छोड़ दिया हो?
- किसी बच्ची या औरत के साथ खेड़खेड़ का गैहूँ हो?
- किसी को डायन बना कर प्रताड़ित किया जा रहा हो?
- छोटी बच्चों (कम उम्र) की शादी की जा रही हो?
- महिला को उसके हक की जमीन पर हिस्सा नहीं दिया जा रहा हो?
- विधवा और छोड़ी हुई औरत को घर से बेदखल किया जा रहा हो?
- बच्चियों को स्कूल नहीं भेजा जा रहा हो, एवं लड़के लड़कियों में भेदभाव हो रहा हो?
- गांव में कन्या भ्रूण हत्या हो रही हो?
- शराब के कारण महिला पर हिंसा हो रही हो?
- जो महिला गांव के लिए नर्स, आंगनवाड़ी, मास्टरजी का काम करती हैं, उनके काम में दिक्कत आती हो?
- महिला को पूरी मजदूरी नहीं दी जा रही हो?

जुड़ समस्याएं आज हर पंचायत व गांव की बन चुकी हैं। हमें पंचायत प्रतिनिधि होने के नए मुद्दों को प्राथमिकता देनी होगी। महिला समूह या संगठन के माध्यम से, महिलाओं के साथ ही रहे शोषण के निवारण शक्य हो कर आज उठनी होंगी। इसे दूर करने के लिए हर स्तर पर प्रयास करने होंगे तथा गुनाह व गुनाहकार को अब हम और शक्तिशाली करेंगे। इस बात का अहसास सभी की करना होगा... क्योंकि महिलाओं का शोषण रोकने के लिए अब महिलारों भी सत्ता में आ गई हैं!